प्रधानमंत्री ने केन-बेतवा परियोजना की आधारशिला रखी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के खजुराहो में **केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना** की आधारशिला रखी।

- यह **राष्ट्रीय नदी जोड़ो नीति** के तहत **पहली ऐसी पहल है।**

मुख्य बदिु

- **केन-बेतवा लकि परियोजना:**
  - इस परियोजना का उद्देश्य मध्य प्रदेश के 44 लाख और उत्तर प्रदेश के 21 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध कराना है।
  - **2,000 गाँवों के 7.18 लाख कसिान परविारों को उन्नत सचिाई सुवधिा** का लाभ मलिगा।
  - इस परियोजना से **103 मेगावाट** जल वदि्युत और **27 मेगावाट** सौर ऊरजा उत्पन्न होगी।
  - यह परियोजना केंद्र सरकार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच सहयोग का प्रतीक है, जो दविंगत प्रधानमंत्री **अटल बहिारी वाजपेयी** के नदी-जोड़ो के सपने को साकार करती है।
- **आर्थकि एवं पर्यावरणीय प्रभाव:**
  - सचिाई, पेयजल और औद्योगकि उपयोग के लयि पर्याप्त जल सुनश्चिति करना।
  - बुंदेलखंड में आर्थकि वकिास, परयटन और रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देना।
  - **सूखा प्रभावति** बुंदेलखंड क्षेत्र में भूजल की कमी को दूर करना।
- **संरक्षण प्रयास:**
  - छतरपुर, टीकमगढ़ और नविाड़ी ज़लिों में चंदेल-युग के वरिासत तालाबों को पुनर्स्थापति करने पर ध्यान देना।
  - पन्ना टाइगर रज़िर्व में वन्य प्राणयिों को नरिंतर जल आपूर्ति।
  - उत्तर प्रदेश के बाँदा ज़लि के लयि बाढ़ राहत।

राष्ट्रीय नदी जोड़ प्राधकिरण

- राष्ट्रीय **स्तर पर नदयिों को जोड़ने (ILR) का** वचिार यह है कि नदयिों को आपस में जोड़ा जाना चाहयि, ताकि **जल की कमी की समस्या को दूर करने के लयि अधशिष नदयिों और क्षेत्रों से जल को कमी वाले क्षेत्रों और नदयिों में स्थानांतरति कयिा जा सके।**
- इसके परणािमस्वरूप वर्ष 1982 में **राष्ट्रीय जल वकिास एजेंसी (NWDA)** की स्थापना हुई।